प्रथमावधिक परीक्षा, 2016

हिन्दी (केन्द्रिक)

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - ग्यारहवीं | पूर्णांक - 100

Date – 16/09/2016

निर्देश – १) सभी प्रश्नों के उत्तर खण्डशः लिखिए ।

२) इस प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड क, ख और ग हैं तथा प्रश्नों की कुल संख्या 12 है ।

३) प्रश्नों के उत्तर लिखते समय क्रमांक तथा उपभाग लिखना न भूलें ।

खण्ड–क

प्र.१ निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(5)**

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है
सूर्य-चंद्र युग-मुकुट, मेखला रत्नाकार है
नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं
वंदीजन खगबृंद, शेषफन सिंहासन है
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की
हे मातृभूमि, तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए
जिसके कारण 'धूल भरे हीरे' कहलाए
हम खेले-कूदे हर्षयुक्त, जिसकी प्यारी गोद में ।
हे मातृभूमि ! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में ।

क) काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

ख) काव्यांश में किसकी सुंदरता का वर्णन किया गया है ?

ग) बच्चे 'धूल भरे हीरे' क्यों कहलाए ?

घ) मातृभूमि किसकी मूर्ति के समान है ?

ङ) मातृभूमि का गुणगान कौन करता रहता है ?

अथवा

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम के गाता चल
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल ।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा ।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन लेना ही होगा
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा ।
रंगों के तू घट उड़ेल, यह अँधियारी रंग जाएगी
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल ।
आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा-प्रज्ञा पर टूट रही
प्रतिमा-प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही ।
आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है
विज्ञान-यान पर चढ़ी हुई, सभ्यता डूबने जाती है ।
जब-जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल ।

क) 'नम होगी यह मिट्टी जरूर' पंक्ति का अर्थ लिखिए ।

ख) 'लोहे के पेड़' किसके प्रतीक हैं ?

ग) प्रस्तुत काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए ।

घ) 'प्रतिमा-प्रतिमा' में कौन-सा अलंकार है ?

ङ) 'शीतलता की है राह हृदय, यह संवाद सुनाता चल' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

प्र.२ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण है - हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी । हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक् कार्य करने से परहेज करता है । वह यह नहीं सोचता कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखदायी होता है । पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना मधुर होता है । 'दिन अस्त और मजदूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे । पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है ।

हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यतः उच्च सामाजिक स्तर की पहचान मानी जाती है । यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, त्यों-त्यों बीमारों और बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है । इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आती जाती हैं । जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती है, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है ।

क) श्रम की अवज्ञा का क्या परिणाम होता है ? **(1)**

ख) ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को क्या परामर्श दिया था ? **(1)**

ग) पसीना टपकाने के क्या लाभ हैं ? **(2)**

घ) समाज में उच्च सामाजिक स्तर की क्या पहचान मानी जाती है ? **(1)**

ङ) आर्थिक स्थिति में सुधार होने पर किन चीज़ों की वृद्धि हो जाती है ? **(1)**

च) श्रम की अवज्ञा न करने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **(1)**

छ) उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **(1)**

ज) हमारा शिक्षित युवा वर्ग क्या करने से परहेज करता है ? **(1)**

झ) पसीने से सिंचित वृक्ष पर लगने वाला फल कैसा होता है ? **(1)**

खण्ड–ख

प्र.३ निम्नलिखित विषय-बिन्दुओं में से किसी एक पर निबंध लिखिए - **(10)**

क) मेरे सपनों का भारत ख) सिमटते परिवार-बिखरते रिश्ते

ग) युवा पीढ़ी और अनुशासन घ) मित्रता : एक अनमोल रत्न

प्र.४ क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए - **(5)**

अ) संचार को परिभाषित कीजिए ।

ब) संचार के मार्ग में 'शोर' किसे कहते हैं ?

स) प्रथम हिन्दी समाचार-पत्र के सम्पादक कौन थे ?

द) भारत में एफ.एम. रेडियो कब प्रारंभ हुआ ?

इ) किन्हीं दो सोशल साइट्स के नाम लिखिए ।

ख) **'गुरु शिष्य परम्परा'** अथवा **'योग भगाए रोग'** विषय पर आलेख लेखन कीजिए । **(5)**

प्र.५ किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखकर अपने बचत-खाते को नागपुर से रायगढ़ स्थानान्तरित करते का अनुरोध कीजिए । **(5)**

अथवा

अपने विद्यालयीन सदन की 'सांस्कृतिक संध्या' पर रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

खण्ड–ग

प्र.६ निम्नलिखित काव्य-खंड को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **(2×4=8)**

लहराते वे खेत दृगों में हुआ बेदखल वह अब जिनसे,

हँसती थी उसके जीवन की हरियाली तृन-तृन से ।

आँखों में ही घूमा करता वह उसकी आँखों का तारा,

कारकुनों की लाठी से जो गया जवानी में ही मारा ।।

क) किसान को उसके खेतों से किसने-क्यों बेदखल कर दिया ?

ख) खेतों की हरियाली का किसान पर क्या प्रभाव पड़ता था ?

ग) किसान की आँखों का तारा कौन था ? उसे किसने मार दिया ?

घ) कवि और कविता का नामोल्लेख कीजिए ।

अथवा

दूध की मथनिया बड़े प्रेम से बिलोई,

दधि मथि घृत काढ़ि लियो डारि दयी छोई ।

भगत देखि राजी हुई, जगत देखि रोई,

दासी मीरा लाल गिरधर ! तारो अब मोही ।।

क) 'तारो अब मोही' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

ख) मीराबाई जगत को देखकर क्यों रोती हैं ?

ग) 'घृत' और 'छोई' किसके प्रतीक हैं ?

घ) मीरा को आत्मसंतुष्टि किस बात पर होती है ?

प्र.७ निम्नलिखित काव्यांश का भाव एवं शिल्प-पक्ष स्पष्ट कीजिए – **(3+3=6)**

कह न देना मौन हूँ मैं, खुद न समझूँ कौन हूँ मैं ।

देखना कुछ बक न देना, उन्हें कोई शक न देना ।।

अथवा

अंसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी ।

अब त बेलि फैलि गई, आणंद-फल होई ।।

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **(3×2=6)**

क) 'घर की याद' कविता के आधार पर भवानी प्रसाद मिश्र के पिता की विशेषताएँ लिखिए ।

ख) सूर्योदय के लिए कवि रामनरेश त्रिपाठी ने किन बिंबों को प्रयोग किया है ?

ग) 'वे आँखें' कविता में कवि ने महिलाओं की जिस दीनता का दर्शन कराया है, उस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मज़ार है । निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए । ऐसा काम ढूँढना जहां कुछ ऊपरी आय हो । मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चांद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है ।

ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है । वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती । ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ । इस विषय में विवेक की बड़ी आवश्यकता है । मनुष्य को देखो, उसकी आवश्यकता को देखो और अवसर को देखो, उसके उपरांत जो उचित समझो, करो । गरज़वाले आदमी के साथ कठोरता करने में लाभ ही लाभ है । लेकिन बेगरज़ को दांव पर पाना ज़रा कठिन है । इन बातों को निगाह में बांध लो । यह मेरी जन्मभर की कमाई है ।

क) उक्त कथन किसने किस उद्देश्य से कहा ? **(1)**

ख) ओहदे को 'पीर का मज़ार' कहने में क्या व्यंग्य है ? **(1)**

ग) मासिक वेतन को पूर्णमासी का चांद क्यों कहा गया है ? **(1)**

घ) ऊपरी आय के बारे में लेखक ने क्या टिप्पणी की है ? **(1)**

ङ) उक्त गद्यांश सरकारी अमले की क्या विसंगति उजागर करता है ? **(2)**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (3×3=9)

क) 'अपू के ढाई साल' के आधार पर बताइए कि फिल्म निर्माण में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ?

ख) 'बिछड़न का समय करुणोत्पादक होता है' - विदाई संभाषण पाठ को आधार बनाकर अपने स्वतंत्र विचार लिखिए ।

ग) मोहन के जीवन में गाँव और शहर दोनों जगह संघर्ष था । इस संघर्ष का समीक्षात्मक अन्तर लिखिए ।

घ) मियां नसीरुद्दीन की दृष्टि में सच्ची तालीम क्या थी ? इस बारे में अपना मत व्यक्त कीजिए ।

प्र.११ क) शास्त्रीय संगीतज्ञों का आरोप कि 'चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए हैं' के प्रति कुमार गंधर्व के क्या मत हैं ? **(3)**

ख) कुमार गंधर्व लता के संगीत से स्वयं को जुड़ा हुआ कब महसूस करने लगे ? संक्षिप्त वृतान्त लिखिए । **(3)**

ग) लता की गायकी की तीन विशेषताएँ लिखिए । **(2)**

घ) 'लता ने करुण रस के साथ न्याय नहीं किया है' - अपनी राय बताइए । **(2)**

प्र.१२ चित्रपट संगीत में अलक्षित, असंशोधित और अदृष्टिपूर्व विस्तृत संसार है । इसमें भविष्य की संभावनाएँ कैसे छिपी हो सकती हैं ? **(5)**

अथवा

गानपन क्या होता है ? इसे प्राप्त करने के लिए किन-किन तत्त्वों के समावेश को महत्त्व दिया गया है ? विस्तार से समझाइए ।

❖ **मौखिक अभिव्यक्ति ।** **(10)**